मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–022

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-022 : संस्कृत वाङ्मय : प्रमुख वैज्ञानिक सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम हिन्दी या संस्कृत या अंग्रेजी एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* 3×20=60

1. असत्कार्यवाद एवं सत्कार्यवाद का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. 'स्फोट' का अर्थ स्पष्ट करते हुए स्फोट सिद्धान्त पर पूर्वपक्षियों के आक्षेप एवं उनके परिहार का वर्णन कीजिए।

3. अंकगणित के मुख्य विषयों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. शक्तिग्रह के स्वरूप का वर्णन करते हुए शक्तिग्रह के साधनों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. संस्कृत साहित्य में वर्णित गति, वेग एवं बल सम्बन्धी प्रकरण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* 4×10=40

7. पाई का मान एवं वृत्त के क्षेत्रफल का वर्णन कीजिए।

8. वैदिक गणित के अन्तर्गत प्राप्त सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

9. परमाणु सम्बन्धी वैशेषिक मत का विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

10. पद विज्ञान से आप क्या समझते हैं ? अर्थतत्व व सम्बन्धतत्व का वर्णन कीजिए।

11. अन्विताभिधानवाद एवं तात्पर्यवाद पर प्रकाश डालिए।

12. 'अपोहवाद' सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

13. विद्युत को स्पष्ट करते हुए संस्कृत साहित्य में विद्युत सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

14. इन्द्रधनुष का वर्णन कीजिए।

× × × × ×